भाषा शिक्षण एक कला

कक्षा - नौवीं

कबीर दोहावली

अभ्यास

सौजन्य:

पढ़ो पंजाब
पढ़ाओ पंजाब

कंचन वासन
हिंदी शिक्षिका
सरकारी कन्या हाई स्कूल
शाहकोट (जालंधर)

अभ्यास

विषय - बोध

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए :-

(i) कबीर के अनुसार ईश्वर किसके हृदय में वास करता है ?

उत्तर-कबीर जी के अनुसार ईश्वर सच्चे व्यक्ति के हृदय में वास करता है।

(ii) कबीर ने सच्चा साधु किसे कहा है ?

उत्तर-कबीर जी ने सच्चा साधु उसे कहा है जो भाव का भूखा होता है, जिसे धन-दौलत का लालच नहीं होता।

(iii) संतों के स्वभाव के बारे में कबीर ने क्या कहा है?

उत्तर- कबीर जी कहते हैं कि संत अपनी सज्जनता कभी नहीं छोड़ते चाहे वे कितने भी बुरे स्वभाव के व्यक्तियों से मिलते रहें ।चाहे संत को बुरे लोगों के साथ रहना भी पड़े, उन पर बुराई का प्रभाव नहीं होता ।

कंचन वासन

(iv) कबीर ने वास्तविक रूप से पंडित/विद्वान किसे कहा है ?

उत्तर-कबीर जी के अनुसार जिस व्यक्ति ने स्वयं को ईश्वर के प्रति अर्पित कर के प्रेम के ढाई अक्षर पढ़ लिए हैं वही वास्तविक रूप से पंडित/विद्वान् है।

(v) धीरज का संदेश देते हुए कबीर ने क्या कहा है ?

उत्तर-कबीर जी ने कहा है कि सभी काम धीरज धारण करने से होते हैं, इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में धीरज रखना चाहिए, जिस प्रकार अनुकूल ऋतु आने पर वृक्ष पर फल अपने आप आ जाते हैं उसी प्रकार मनुष्य के सभी कार्य भी सही समय आने पर हो जाते हैं।

(vi) कबीर ने सांसारिक व्यक्ति की तुलना पक्षी से क्यों की है?

उत्तर-कबीर जी ने सांसारिक व्यक्ति की तुलना पक्षी से की है क्योंकि जैसे पक्षी आसमान में इधर-उधर उड़ता रहता है वैसे ही मानव का चंचल मन भी कभी स्थिर नहीं रहता।

कंचन वासन

(vii) कबीर ने समय के सदुपयोग पर क्या संदेश किया है?

उत्तर-कबीर जी ने समझाया है कि मनुष्य को अपना काम कल पर नहीं टालना चाहिए अपितु तुरंत कर लेना चाहिए क्योंकि कल का पता नहीं होता भविष्य सदा अनिश्चित होता है।

भाषा बोध

वर्ण विच्छेद

बराबर - ब्+ अ+ र्+ आ+ ब्+ अ +र्+ अ

भोजन - भ+ ओ+ ज+ अ+ न+ अ

पंडित - प् + अं+ ड्+ इ+ त्+ अ

म्यान - म्+ य्+ आ +न्+ अ

बरसना- ब्+ अ+ र्+ अ+ स्+ अ+न्+ आ

कंचन वासन